जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 36 संख्याः 209 प्रभात अजमेर, सोमवार 9 मार्च, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

भारत तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड चैंपियन

भारत ने न्यूज़ीलैंड को हराकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्डकप जीत लिया है। इसके साथ ही टीम इंडिया लगातार दो बार टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम बन गई है। पहली बार किसी मेज़बान टीम ने टी-20 वर्ल्डकप जीता है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को न्यूज़ीलैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला लिया। पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्डकप फाइनल में रिकॉर्ड 255 रन बनाए। संजू सैमसन ने टी-20 वर्ल्डकप फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर (89 रन) बनाया। ईशान किशन ने 54 और अभिषेक शर्मा ने 52 रन बनाए। आखिर में शिवम दुबे ने 8 गेंद पर 26 रन बनाए। न्यूज़ीलैंड के जिमी नीशम को 3 विकेट मिले। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट व अक्षर पटेल ने 3 विकेट हासिल किए। जसप्रीत बुमराह को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए "मैन ऑफ द मैच" व संजू सैमसन को "मैन ऑफ द सीरीज" चुना गया।

शंकराचार्य पर आरोप लगाने वाले आशुतोष महाराज पर हमला

प्रयागराज, 08 मार्च। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ कोर्ट में यौन उत्पीड़न का केस दाखिल करने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज पर जानलेवा हमला होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने अपने ऊपर चलती ट्रेन में हमले का आरोप लगाया है। आरोप है कि रीवा एक्सप्रेस ट्रेन से प्रयागराज जाते वक्त जानलेवा हमला किया गया, शिकायत प्रयागराज में राजकीय रेलवे पुलिस को की गई।

- **उन्होंने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था।**

आशुतोष महाराज की तहरीर पर प्रयागराज के जीआरपी थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस इस पूरी घटना की जांच में जुट गई है।

आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने आरोप लगाया है कि प्रयागराज आते समय उनपर फतेहपुर और कौशांबी जिले के सिराथू रेलवे स्टेशन के बीच हमला किया गया। आशुतोष ब्रह्मचारी ने बताया कि पांच बजे सुबह टॉयलेट जाते समय एक युवक ने उनके ऊपर हमला बोल दिया। किसी तरह आशुतोष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने नया सुप्रीम लीडर चुना, औपचारिक घोषणा शीघ्र होगी

चर्चा है कि खामनेई का पुत्र यह पद सम्भालेगा, पूर्व में अमेरिका व इज़रायल ने इस नाम पर आपत्ति जताई थी

- **ईरान की मेहर न्यूज़ एजेंसी के अनुसार असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने बहुमत से नये लीडर का चयन किया है तथा इसमें कोई अस्पष्टता नहीं है।**

तेहरान, 08 मार्च। ईरान में नया सुप्रीम लीडर कौन होगा यह तय हो गया है। हालांकि, अभी तक चयनित व्यक्ति के नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। विभिन्न समाचार एजेंसियों ने इसकी जानकारी दी है। सुप्रीम लीडर चुनने वाली संस्था, असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने उम्मीदवार तय कर लिया है। संस्था के सदस्यों का दावा है कि बहुमत के आधार पर सबसे उपयुक्त उम्मीदवार को मंजूरी दी गई है।

ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार, एक्सपर्ट्स की असेंबली के सदस्य अहमद अलमोल्होदा ने कहा, "लीडर का चयन हो चुका है।" खुजेस्तान प्रांत का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य मोहसिन हेदरी ने ईरान की आईएसएनए न्यूज एजेंसी को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के बहुमत ने उम्मीदवार के नाम पर सहमति दे दी है। संस्था के एक अन्य सदस्य, मोहम्मद मेहदी मीरबाघेरी ने भी इसकी पुष्टि की है। फार्स न्यूज एजेंसी द्वारा जारी वीडियो में उन्होंने कहा कि बहुमत की राय को दर्शाने वाला स्पष्ट निर्णय लिया जा चुका है।

फिलहाल, नए सुप्रीम लीडर के नाम की आधिकारिक घोषणा बाकी है, और इसके जल्द सामने आने की संभावना है। दूसरे सदस्यों ने इस फैसले को कन्फर्म किया है। एक ने कहा है कि मारे गए सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के बेटे यह पद संभालेंगे। मोजतबा खामेनेई को उनके पिता का संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा है। यह पद ईरान में सबसे बड़ा राजनीतिक और धार्मिक अधिकार है और देश के सभी मामलों में आखिरी फैसला इसी का होता है।

4 मार्च को जब मोजतबा का नाम सामने आया तो अमेरिका और इजरायल ने आपत्ति जताई थी। यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो यहां तक कहा कि अगला लीडर चुनने में उनकी भूमिका होनी चाहिए और उन्होंने मोजतबा को खारिज करते हुए उन्हें लाइटवेट कैंडिडेट करार दिया था। वहीं, ईरानी अधिकारियों ने इस बात को साफ तौर पर खारिज कर दिया है कि उत्तराधिकारी चुनने में ट्रंप की कोई भूमिका होगी।

इजरायल ने तो यहां तक कहा कि वो खामेनेई के हर वारिस का अंजाम उनके जैसा ही करेगा। एक्स पर फारसी में एक पोस्ट की, जिसमें इजरायली सेना ने चेतावनी दी कि वह हर उस व्यक्ति को भी नहीं छोड़ेगी जो अयातुल्ला अली खामेनेई का वारिस नियुक्त करना चाहता है। आईडीएफ की पोस्ट में लिखा है, "तानाशाह खामेनेई को बेअसर करने के बाद, ईरान का आतंकवादी शासन खुद को फिर से बनाने और एक नया लीडर चुनने की कोशिश कर रहा है।" सेना ने चेतावनी दी, "हम वारिस चुनने की मीटिंग में हिस्सा लेने वालों को चेतावनी देते हैं कि हम आपको भी निशाना बनाने में नहीं हिचकिचाएंगे।"

ऊर्जा भंडारों पर हमला कर अमेरिका- इज़रायल ने खतरनाक चरण शुरु किया- ईरान

ईरान का कहना है कि ईंधन भंडारों पर हमले से जहरीले पदार्थ व खतरनाक गैसें वातावरण में फैलेंगी

- **अमेरिका ने कहा, यह हमला इज़रायल ने किया। इज़रायल ने कहा कि निशाना बनाये गए ईंधन डिपो का इस्तेमाल सैन्य अभियानों व बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में किया जा रहा था।**

तेहरान/वॉशिंगटन, 10 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच ईरान ने अमेरिका और इजरायल पर उसके ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि ईरान के ऊर्जा भंडारों और ईंधन डिपो पर हुए हवाई हमले युद्ध के खतरनाक नए चरण की शुरुआत को दर्शाते हैं।

बघाई ने कहा कि ईंधन भंडारों को निशाना बनाए जाने से जहरीले पदार्थ और खतरनाक गैसें वातावरण में फैल सकती हैं, जिससे नागरिकों के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ सकता है। उनके अनुसार इस तरह के हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं और इन्हें युद्ध अपराध की श्रेणी में रखा जा सकता है।

दूसरी ओर, इजराइली सेना के प्रवक्ता नादव शोशानी ने कहा कि जिन ईंधन डिपो को निशाना बनाया गया, उनका इस्तेमाल ईरान के सैन्य अभियानों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए किया जा रहा था। इसलिए उन्हें वैध सैन्य लक्ष्य माना गया।

वहीं अमेरिका ने स्पष्ट किया है कि वह ईरान के ऊर्जा क्षेत्र को निशाना बनाने की योजना नहीं बना रहा है। अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा कि अमेरिका की ओर से ईरान के तेल या गैस उद्योग पर हमले की कोई योजना नहीं है और हाल के हमले इजराइल द्वारा किए गए हैं।

उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल उल्लंघन पर केन्द्र सरकार ने प.बंगाल से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 08 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पश्चिम बंगाल दौरे में प्रोटोकॉल फॉलो नहीं करने के मामले में केंद्र ने राज्य के मुख्य सचिव से रिपोर्ट मांगी है।

सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय गृह सचिव ने चार बातें बताई हैं। राष्ट्रपति को

- **केन्द्रीय गृह सचिव ने प.बंगाल के मुख्य सचिव से विस्तृत रिपोर्ट देने के लिए कहा।**

रिसीव करने और विदा करने के लिए मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक क्यों मौजूद नहीं थे। राष्ट्रपति के लिए बनाए गए वॉशरूम में पानी नहीं था। प्रशासन ने जो रास्ता चुना था, वह कचरे से भरा था। दार्जिलिंग के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इज़रायल ने बेरुत पर मिसाइलें दागीं, लेबनान कॉर्प्स के चार कमांडर मारे गए

लेबनान स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार यह हमला बेरुत के प्रसिद्ध पर्यटन क्षेत्र के एक होटल पर हुआ

- **इज़रायल डिफेन्स फोर्सेज़ ने कहा कि ईरान में हमलों की नई लहर शुरु की गई है, इसमें ईरान सरकार के प्रमुख स्थलों को निशाना बनाया गया है।**

तेहरान/बेरूत/ तेल अवीव/वाशिंगटन, 08 मार्च। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जंग के नौवें दिन तक युद्ध की लपटें फारस के खाड़ी देशों तक पहुंच चुकी है। इज़राइल ने लेबनान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कुद्स फोर्स के लेबनान कॉर्प्स के कमांडरों को मार गिराने का दावा किया है।

सीबीएस न्यूज, फॉक्स न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट्स के अनुसार, इस जंग में अमेरिका और इजराइल के सैन्य अभियान में ईरान को अब तक सबसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके परिवार के अधिकांश सदस्यों समेत आला सैन्य अफसर मारे जा चुके हैं। युद्ध की लपटों से फारस की खाड़ी के देश झुलस रहे हैं। अमेरिका के भी छह सैन्य अफसरों की मौत हो चुकी है।

इज़राइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने आज सुबह कहा कि ईरान में हमलों की एक नई लहर शुरू की गई है। सेना ने ईरानी सरकार के प्रमुख स्थलों को निशाना बनाया है। आईडीएफ के उसके हमले के बाद ईरान से इजराइल की ओर मिसाइलें दागी गई हैं। देश की रक्षा प्रणाली (बहु-स्तरीय सुरक्षा कवच) इस खतरे को रोकने के लिए काम कर रही है।

आईडीएफ ने कहा कि ईरान पर हमले से कुछ देर पहले बेरूत में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कुद्स फोर्स के लेबनान कॉर्प्स के कमांडरों को निशाना बनाकर मिसाइलें दागी गईं। इस हमले में चार कमांडर मारे गए।लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह हमला बेरूत के प्रसिद्ध पर्यटन क्षेत्र में एक होटल पर हुआ। हमले में चार लोग मारे गए। मंत्रालय ने बयान में यह साफ नहीं किया कि मारे गए लोगों में कमांडर हैं या अन्य लोग।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के शीर्ष रक्षा अधिकारी अली लारीजानी की धमकी की परवाह नहीं करते। लारीजानी लंबे समय तक खामेनेई के भरोसेमंद रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि लारीजानी को मालूम होना चाहिए कि खामेनेई के मारे जाने के बाद ईरान पहले ही हार चुका है। ईरान की भलाई इसी बात पर है कि वह बिना शर्त आत्मसमर्पण कर दे। उन्होंने कहा कि अब इराक के कुर्दों से अमेरिका को मदद की जरूरत नहीं है।

यूजीसी नियमों के विरोध में हजारों सवर्णों ने प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, 08 मार्च। यूजीसी नियमों के खिलाफ रविवार को सवर्ण समाज दिल्ली की सड़कों पर उतरा। सवर्ण समुदाय के बड़े नेताओं की गिरफ्तारी और उन्हें हाउस अरेस्ट करने के बाद भी बड़ी संख्या में सामान्य वर्ग के युवा दिल्ली के रामलीला मैदान और जंतर-मंतर पहुंचे और यूजीसी नियमों के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त की।

युवाओं ने कहा कि सरकार को ऐसा कानून बनाना चाहिए जो सभी समाज और सभी वर्ग के हितों की रक्षा करे। युवाओं ने कहा कि नियम-कानून की आड़ में लगातार सामान्य वर्ग का उत्पीड़न होता रहा है, लेकिन अब बच्चों को कॉलेज स्तर पर भी प्रताड़ित करने की तैयारी की जा रही है। यह हर हाल में रुकना चाहिए।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों की भीड़ जुटने के बाद उनकी पुलिस जवानों से जमकर कहासुनी हुई। रामलीला मैदान में भी जोरदार प्रदर्शन करने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बसों में भरकर दूर ले गई। सुरक्षा बलों का कहना था कि रविवार को यूजीसी के खिलाफ प्रदर्शन की अनुमति नहीं थी। लेकिन इसके बाद भी हजारों प्रदर्शनकारी रामलीला मैदान पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

- **बड़े नेताओं की गिरफ्तारी के बावजूद बड़ी संख्या में सामान्य वर्ग के युवा जंतर-मंतर व रामलीला मैदान पहुँचे।**

संसद सत्र का दूसरा चरण आज से

नई दिल्ली, 08 मार्च। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत के साथ कल ही लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव

- **भाजपा के बाद कांग्रेस ने भी व्हिप जारी किया।**

(नोटिस) पेश किया जाएगा। इस प्रस्ताव को सदन में विपक्षी सांसद मोहम्मद जावेद, के. सुरेश और डॉ. मल्लू रवि पेश करेंगे। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 9 और 10 मार्च के लिए व्हिप जारी किया है। वहीं, कांग्रेस ने सभी सांसदों को 9-11 मार्च तक सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है।

पिछले महीने बजट सत्र के पहले चरण के दौरान विपक्ष ने लोकसभा के महासचिव को अविश्वास प्रस्ताव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश की प्रतिष्ठा से जुड़ा है राष्ट्रीय राजधानी का विकास - मोदी

प्रधानमंत्री ने दिल्ली की 33,500 करोड़ रु. की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया

- **प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आज प्रारंभ की गई परियोजनाएं दिल्ली मैट्रो के नए कॉरिडोर व विस्तार तथा सरकारी कर्मचारियों के लिए आधुनिक आवास से जुड़ी हैं।**
- **प्रधानमंत्री ने कहा कि अब पूर्वी व उत्तर पूर्वी दिल्ली के निवासियों के लिए दैनिक आवागमन पहले से अधिक आसान हो जायेगा।**

नई दिल्ली, 08 मार्च (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का विकास केवल एक शहर का विकास नहीं है बल्कि पूरे देश की छवि और प्रतिष्ठा से जुड़ा है। राजधानी जितनी आधुनिक, सुव्यवस्थित और बेहतर कनेक्टिविटी वाली होगी, उतना ही भारत का आत्मविश्वास और वैश्विक पहचान मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज यहां बुराड़ी में आयोजित एक कार्यक्रम में लगभग 33,500 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं से दिल्ली के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी, यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और लोगों के जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाया जा सकेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार दिल्ली को आधुनिक और विकसित शहर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, परिवहन सुविधाओं के आधुनिकीकरण और आवासीय ढांचे के विकास के माध्यम से राजधानी को नई दिशा दी जा रही है। आज जिन परियोजनाओं की शुरुआत की गई है, उनमें दिल्ली मेट्रो के नए कॉरिडोर, मेट्रो विस्तार योजनाएं तथा सरकारी कर्मचारियों के लिए आधुनिक आवासीय परिसरों का निर्माण शामिल है।

उन्होंने कहा कि मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से राजधानी में कनेक्टिविटी और मजबूत होगी तथा लाखों लोगों को रोजमर्रा के जीवन में बड़ी सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से पूर्वी और उत्तर-पूर्वी दिल्ली के निवासियों के लिए दैनिक आवागमन पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो जाएगा। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरों-गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम से दिल्ली के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचना अधिक सुविधाजनक बनेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होने से विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में दिल्ली में बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति मिली है और कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि एक वर्ष पहले दिल्ली के लोगों ने नई उम्मीद और संकल्प के साथ डबल इंजन की सरकार बनाई थी और उसके परिणाम आज विकास कार्यों के रूप में दिखाई दे रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की नारी शक्ति आज हर क्षेत्र में नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रही है। राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, खेल और समाज सेवा सहित अनेक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व लगातार मजबूत हो रहा है।

उन्होंने कहा कि पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के निर्माण से लाखों वाहन अब शहर में प्रवेश किए बिना ही अपने गंतव्य तक पहुंच पा रहे हैं, जिससे राजधानी में ट्रैफिक का दबाव कम हुआ है।

प्रधानमंत्री ने यमुना नदी के पुनर्जीवन के लिए चलाए जा रहे अभियान का भी उल्लेख किया और कहा कि यमुना को स्वच्छ और पुनर्जीवित करने के लिए बड़े पैमाने पर परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इस दिशा में करोड़ों रुपये के कार्य पहले ही शुरू किए जा चुके हैं।

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में दिल्ली में कई आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं। आयुष्मान भारत योजना लागू होने से गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को मुफ्त उपचार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि कार्यक्रम से पहले उन्होंने सरोजिनी नगर में सरकारी कर्मचारियों के लिए बनाए गए आधुनिक आवासीय परिसरों का दौरा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)